स्काउट गाइड ज्योति

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की आमुख पत्रिका
वर्ष–23, अंक–02, अगस्त, 2022 (कुल पृष्ठ–28) मूल्य : रु. 15/–

राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत
रोहट (पाली–मारवाड़) में आयोज्य 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी के पोस्टर का विमोचन करते हुए

अध्यक्ष श्री गोविन्द सिंह डोटासरा द्वारा ध्वजारोहण एवं बैठक की झलकियां

श्री डोटासरा जी को स्कार्फ व साफा पहनाकर अभिनन्दन करते राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य, पुष्पगुच्छ भेंट करते राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन एवं जम्बूरी की कार्य-योजना से अवगत कराते हुए राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य।

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 23 अंक : 02
अगस्त, 2022

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

गौरव अग्रवाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर्स-स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
डॉ. एस.आर. जैन
एस.के.सोलंकी, आई.ए.एस.(से.नि.)
डॉ. अखिल शुक्ला

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति-समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित कुमार मोरोडिया
राज.लेखा सेवा

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
• दिशाबोध	4
• संपादकीय	4
• विशेष : जम्बूरी पोस्टर विमोचन	5
• विशेष : जम्बूरी समीक्षा बैठक	6
• जम्बूरी समीक्षा ऑन-लाईन वेबीनार बैठक	7
• राज्य कार्यकारिणी समिति बैठक	8
• हिमाचल प्रदेश में राजस्थानी रोवर रेंजर्स ने लहराया परचम	9
• स्काउट आवासीय विद्यालय में सर्वधर्म प्रार्थना सभा	10
• जम्बूरी कोर कमेटियों की बैठक	11
• गतिविधि दर्पण	12
• नेशनल ग्रीन कोर : विद्यालय में इको क्लब गतिविधि	17
• अभिरूचि शिविर	18
• हमारा स्वास्थ्य : ध्यान से साधें भावनाओं की डोर	21
• स्काउटिंग से विकास	22
• दक्षता पदक : विश्व संरक्षण	23
• हमारे महापुरूष : भारत रत्न : पुरुषोत्तम दास टंडन	24
• गतिविधि पञ्चांग	26

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/- संस्थागत शुल्क:150/-	1200/-

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

पधारो म्हारे देश

स्काउटिंग गाइडिंग के मेरे प्रिय साथियों, पदाधिकारियों, स्काउट गाइड व सभी कार्यकर्ताओं को मेरा अभिनन्दन।

हमारे लिए हर्ष का विषय है कि राजस्थान प्रदेश में आगामी 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी का आयोजन दिनांक 04 जनवरी से 10 जनवरी, 2023 तक जोधपुर–पाली नेशनल हाईवे पर पाली मारवाड़ में स्थित रोहट में किया जा रहा है। यह हमारे प्रदेश संगठन के लिए ही नहीं अपितु सभी प्रदेशवासियों के लिए भी गौरव की बात है कि 66 वर्ष उपरान्त राजस्थान प्रदेश को 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी आयोजन का दायित्व मिला।

राष्ट्रीय जम्बूरी की अपनी ही विशिष्टता होती है। चार वर्ष में एक बार आयोजित होने वाली जम्बूरी में स्काउट गाइड को अनेक प्रदेशों की कला, संस्कृति, रहन–सहन, वेशभूषा, खान–पान के आदान–प्रदान का सुअवसर प्राप्त होता है। छात्र–छात्राओं को अपने विद्यार्थी जीवन में एक या दो बार ही जम्बूरी में शिरकत करने का अवसर प्राप्त होता है, ऐसे में इनके लिए यह और भी अधिक अहमियत रखती है। हमारा लक्ष्य है कि राजस्थान में आयोजित हो रही 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी को हम अपने चिर–परिचित अंदाज में स्काउटिंग की मौलिकता को समाहित करते हुए विराट व भव्यता के साथ इसे आयोजित करें। जम्बूरी में संगठन की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का बेहतर संचालन किया जायेगा। युवा पीढ़ी को अनुशासित, राष्ट्र प्रेमी और निःस्वार्थ सेवाभावी बनने की प्रेरणा देने के लिए यह आयोजन प्रभावी एवं सार्थक साबित होगा, ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है।

अन्त में, मैं सभी साथियों, सभी राज्यों के पदाधिकारियों, स्काउट्स गाइड्स व हमारे विदेशी स्काउट्स गाइड्स से आग्रह है कि आपकी सहभागिता से ही इस जम्बूरी की सार्थकता व सफलता जुड़ी है। 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी में पूरे जोश, उत्साह व उमंग के साथ सहभागिता करने के लिए मैं आप सभी को आमंत्रित करता हूँ......... ''पधारो म्हारे देश''।

स्काउट गाइड भावना के साथ..... धन्यवाद।

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

राष्ट्रीय जम्बूरी जैसे सबसे बड़े आयोजन का दायित्व राजस्थान को मिलना हम सभी के लिए गर्व व प्रसन्नता की बात है। बड़े आयोजन का दायित्व मिलना हमारे प्रदेश के सभी कार्यकर्ताओं के लिए अब तक की सबसे बड़ी परीक्षा है। इस जिम्मेदारी का मिलना तब सार्थक कहलायेगा जब यह आयोजन भव्यता लिये हुए सफलता के शिखर पर अपना परचम फहराये। इस जम्बूरी में हम स्काउटिंग गाइडिंग की मौलिकता के साथ आधुनिकता के समावेश का विशेष ध्यान रख रहे हैं।

जम्बूरी के सफल आयोजन हेतु राज्य मुख्य आयुक्त महोदय ने विभिन्न कोर कमेटियों का गठन कर दिया है जो अपने–अपने दायित्वों की कार्य–योजना तैयार करने व उसके क्रियान्वयन की दिशा में आवश्यक कदम बढ़ा चुकी है। लगभग सभी कमेटियों की प्रथम व द्वितीय बैठकें आयोजित हो चुकी हैं। कार्य–योजना को अन्तिम रूप प्रदान किया जा रहा है और शीघ्र ही जम्बूरी स्थल पर कार्य प्रारम्भ होने वाला है। मुझे यह बताते हुए खुशी है कि प्रदेश के सभी विभाग इस जम्बूरी के सफल आयोजन के लिए कार्य प्रारम्भ कर चुके हैं।

जम्बूरी में राजस्थान प्रदेश की सहभागिता की ओर भी हमें पूर्ण सजगता से ध्यान देना है व कर्मठता से तैयारियाँ प्रारम्भ करनी है। प्रत्येक जिला मुख्यालय को संभागित्व का कोटा आवंटित किया गया है, उसी अनुरूप उनके स्थानीय संघों को आवंटित कोटे के अनुरूप स्काउट–गाइड व स्काउटर–गाइडर का चयन करना है। जम्बूरी में संभागित्व के मामले में राजस्थान की एक विशिष्ट पहचान है। सदैव शिखर पर रहने वाला राजस्थान इस बार आयोजक भी है और प्रतिभागी भी है। हमें दोनों कर्तव्य पूरी निष्ठा व ईमानदारी से निभाने हैं।

मेरी ओर से सभी को शुभकामनाएं....

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

विशेष

जम्बूरी पोस्टर विमोचन

माननीय मुख्यमंत्री जी ने किया जम्बूरी के पोस्टर का विमोचन

जयपुर, 23 जुलाई। माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास पर शनिवार 23 जुलाई, 2022 को 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जंबूरी के पोस्टर का विमोचन किया। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के पदाधिकारियों ने श्री गहलोत को आयोजन की तैयारियों के बारे में जानकारी दी। राष्ट्रीय जंबूरी 4 से 10 जनवरी 2023 तक जोधपुर–पाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित रोहट (पाली–मारवाड़) में आयोजित होगी। इस अवसर पर राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य, राज्य आयुक्त (रोवर) श्री निर्मल पंवार, राज्य आयुक्त (शांति एवं अहिंसा) श्री मनीष शर्मा एवं राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने बजट 2022–23 में जंबूरी के आयोजन के लिए 25 करोड़ रूपये की घोषणा की थी। राजस्थान को 66 साल बाद पुनः राष्ट्रीय जंबूरी की मेजबानी मिली है।

इस जंबूरी में 1500 विदेशी सहभागियों सहित लगभग 35 हजार स्काउट व गाइड शामिल होंगे। इस 7 दिवसीय जंबूरी में स्टेट द्वार, पायनियरिंग प्रोजेक्ट, एडवेंचर वैली, ग्लोबल विलेज डवलपमेंट, इंटीग्रेशन गेम्स, मार्च पास्ट, कलर पार्टी, लोक नृत्य, शारीरिक प्रदर्शन, राज्य दिवस प्रदर्शनी, बैंड प्रदर्शन, रॉक क्लाइंबिंग, पैरासेलिंग एवं वाटर एक्टिविटीज जैसी कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

विशेष

जम्बूरी समीक्षा बैठक

संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्री गोविन्द सिंह डोटासरा की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक

राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड के बजाज नगर स्थित राज्य मुख्यालय पर शुक्रवार 15 जुलाई, 2022 को संगठन के अध्यक्ष श्री गोविन्द सिंह डोटासरा की अध्यक्षता में जम्बूरी कार्य–समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य, पूर्व अध्यक्ष श्री गिरधारी सिंह बापना, स्टेट कमिश्नर डॉ. अखिल शुक्ला, डॉ. एस.आर.जैन, राज्य कोषाध्यक्ष श्री ललित मोरोडिया, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन एवं अन्य सदस्यों तथा जम्बूरी की विभिन्न समितियों के सदस्यों सहित लगभग 50 की सहभागिता रही।

अध्यक्ष श्री डोटासरा जी ने अपने उद्‌बोधन में बताया कि उनमें अनुशासन, सेवाभाव एवं समर्पण की भावना स्काउटिंग की ही देन है क्योंकि वे स्कूल स्तर तक स्काउट रहे और उनके पिताजी शिक्षक के साथ एक स्काउटर भी थे। ऐसे में उन्हें बचपन में स्काउटिंग का वातावरण मिला।

66 वर्ष पश्चात राजस्थान में 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के सफल आयोजन से प्रदेश का राष्ट्रीय स्तर पर मान बढ़ेगा और माननीय मुख्यमंत्री जी के लिए एक नया आयाम भी जुड़ेगा। जम्बूरी के लिए मैं अपने आप को समर्पित करता हूँ और प्रतिदिन इसकी प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा करेंगे। राज्य सरकार द्वारा इसके आयोजन के लिए बजट आवंटन किया गया है, परन्तु हमें इसके संसाधनों की व्यवस्था के लिए भामाशाहों का सहयोग लेना चाहिये। इससे उनका इस संगठन से जुड़ाव भी होगा।

इससे पूर्व राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान स्काउट संगठन 66 वर्ष पश्चात प्रदेश में 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी का आयोजन करने जा रहा है। पूर्व में 1956 में प्रदेश में द्वितीय जम्बूरी आयोजित की गई थी।

श्री आर्य ने कहा कि हम मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार के आभारी है, जिनके प्रोत्साहन से यह अवसर मिला है। मुख्यमंत्री जी ने बजट घोषणा कर 25 करोड़ का बजट प्रावधान किया है, इस कारण हम राष्ट्र के बच्चों से जम्बूरी का शुल्क नहीं ले रहे हैं, केवल विदेशी संभागियों से ही शुल्क लिया जायेगा। जम्बूरी आयोजन के लिए पाली जिले के रोहट में स्थित भूमि का चयन किया गया है, जहाँ लगभग 35 हजार संभागियों के 10 दिन तक रहने, पानी, बिजली, सड़क, दैनिक सुविधाओं इत्यादि की सुचारू व सुव्यवस्थित व्यवस्था के लिए कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। प्रत्येक कार्य के लिए एक समिति गठित की गई है, जिनकी प्रथम मीटिंग्स आयोजित हो चुकी है। संबंधित विभागों को इस आयोजन से संबंधित कार्य आवंटित किये जा रहे हैं।

श्री आर्य ने जम्बूरी में सहभागिता के संदर्भ में बताया कि हमारा प्रयास है कि न केवल राष्ट्रीय वरन् दूसरे देशों के संभागी भी इसमें बढ़ चढ़कर सहभागिता करें। इसके लिए ऐशिया–पेसिफिक राष्ट्रों के आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड इत्यादि को भी आमंत्रित किया जा रहा है। विदेशी सहभागिता से हमारे बालक–बालिकाओं को बहुत कुछ सीखने को मिलेगा...एक दूसरे की सभ्यता व संस्कृति, रहन–सहन, भाषा, खान–पान इत्यादि से रूबरू होंगे।

प्रारम्भ में अध्यक्ष श्री डोटासरा जी ने मुख्यालय पर ध्वजारोहण किया। तत्पश्चात मीटिंग की कार्यवाही प्रारम्भ करते हुए साफा व माला पहनाकर अध्यक्ष महोदय का स्वागत किया गया। अन्त में राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन हुआ।

जम्बूरी समीक्षा ऑन-लाइन वेबीनार बैठक

अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित हुई जम्बूरी समीक्षा बैठक

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के तत्वावधान में 18वीं राष्ट्रीय जंबूरी में प्रदेश के संभागियों की सहभागिता एवं प्रतियोगिता की आवश्यक तैयारी एवं अन्य व्यवस्थाओं पर चर्चा कर निर्णय लिये जाने हेतु शिक्षा विभाग से संबंधित बिन्दुओं के संबंध में चर्चा को लेकर ऑन-लाइन वेबीनार का आयोजन हुआ। मंगलवार 12 जुलाई, 2022 को हुई इस मीटिंग में अतिरिक्त मुख्य सचिव शिक्षा श्री पवन कुमार गोयल ने अध्यक्षीय उद्बोधन में जंबूरी को सब मिलकर शानदार आयोजन कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान की छाप छोड़ने की बात कही। कहा कि 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जंबूरी को भव्यता प्रदान की जाएगी।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड के स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य ने जंबूरी की विस्तार से जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि रोहट पाली में होने वाली जंबूरी को लेकर विभिन्न प्रकार की कमेटियों का गठन कर संबंधित को जिम्मेदारी दी गई है। जंबूरी को लेकर जिला ब्लॉक एवं स्थानीय स्तर पर तैयारी को लेकर शीघ्रता से कार्य शुरू हों, इसके लिए डायरेक्शन जारी होंगे। उन्होंने कहा कि 1956 से अब तक 66 बरस बाद राजस्थान में दूसरी बार जंबूरी होने जा रही है, जिसके लिए प्रत्येक जिले को संभागित्व कोटा आवंटित किया गया है। संबंधित लक्ष्य को अभिलंब पूर्ण कर रिपोर्ट भिजवाने के लिए निर्देशित किया गया।

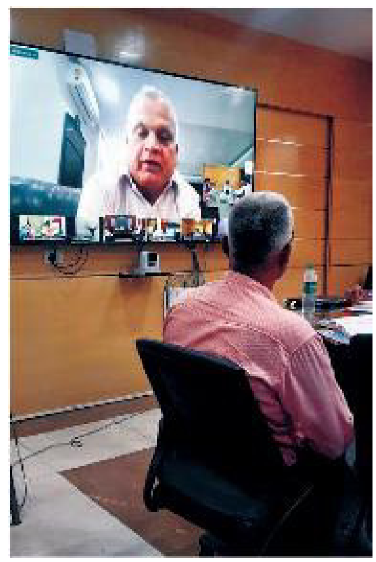

निदेशक माध्यमिक शिक्षा बीकानेर राजस्थान एवं स्टेट कमिश्नर (स्काउट) राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड श्री गौरव अग्रवाल ने राजस्थान के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों, महात्मा गांधी विद्यालय में स्काउटिंग गाइडिंग की गतिविधि नियमित एवं सुचारू ढंग से संचालित किए जाने पर जोर देते हुए प्रत्येक विद्यालय से एक शिक्षक एवं शिक्षिका को बेसिक कोर्स करवाने की बात कही। उन्होंने कहा की स्काउट गाइड गतिविधि के सक्रिय संचालन में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं होगी।

बैठक में राज्य मुख्यालय पदाधिकारियों व अधिकारियों ने सचिवालय स्थित मीटिंग कक्ष में उपस्थित रह कर तथा प्रदेश के अन्य जिलों के अधिकारियों ने ऑन-लाइन वेबीनार के माध्यम से जम्बूरी के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं से अवगत कराया।

राज्य कार्यकारिणी समिति बैठक

दिनांक 18 जुलाई, 2022

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड राज्य संगठन की राज्य कार्यकारिणी समिति की सभा 18 जुलाई, 2022 को स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय, जयपुर एवं वेबीनार के माध्यम से स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें श्री स्टेट कमिश्नर (स्काउट) श्री गौरव अग्रवाल वेबीनार पर, स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर) श्री नवीन जैन, स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर) डॉ. एस.आर.जैन, स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर) डॉ. अखिल शुक्ला, स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति समन्वय) श्री मनीष कुमार शर्मा, स्टेट ट्रेजरार श्री ललित कुमार मोरोडिया, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, संयुक्त राज्य सचिव श्री महेन्द्र सिंह राठौड़, सहायक स्टेट कमिश्नर (स्काउट) डॉ. आलोक शर्मा, श्री विमल चौहान व श्री जसवन्त गुर्जर, सहायक स्टेट कमिश्नर (गाइड) डॉ. सुषमा सिंघवी, राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री गोपाराम माली, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) श्री बन्ना लाल, जिला मुख्य आयुक्त, अजमेर श्री धमेन्द्र जाटव, भीलवाडा के श्री ब्रह्माराम चौधरी, नागौर के श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, टोंक के श्री रामनिवास शर्मा, हनुमानगढ के श्री वीरेन्द्र कुमार गौतम, झुंझुंनू के वेबीनार पर श्री पितरामसिंह काला, जयपुर के श्री सुभाषचन्द्र यादव, अलवर की श्रीमती पूनम गोयल तथा पाली के श्री प्रकाशचन्द्र सिधाड़िया उपस्थित रहे।

प्रार्थना के उपरान्त राज्य सचिव डॉ. पी.सी.जैन द्वारा सभी सदस्यों का शाब्दिक स्वागत किया गया। गत कार्यकारिणी समिति की मीटिंग दिनांक 13.4.2022 का कार्यवृत की बिन्दुवार अनुपालना रिपोर्ट तथा सत्र 2021–22 का संक्षिप्त वार्षिक प्रतिवेदन राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री गोपाराम माली द्वारा प्रस्तुत किये गये।

माननीय स्टेट चीफ कमिश्नर महोदय ने स्काउटिंग/गाइडिंग को और अधिक सक्रिय करने के लिए व्यक्तिगत रूप से बैठक में उपस्थित सभी मुख्य जिला शिक्षाधिकारी एवं जिला मुख्य आयुक्त के साथ ही सभी सदस्यों से चर्चा की और सुझाव प्राप्त किये।

स्टेट ट्रेजरार श्री ललित कुमार मोरोडिया ने वित्त समिति दिनांक 15.7.2022 की अनुशंसाएं, सत्र 2021–22 के ऑडिटेड अकाउण्ट्स तथा सत्र 2023–24 के प्रस्तावित बजट को प्रस्तुत किया, जिसे स्वीकृति प्रदान की गई।

राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) श्री बन्नालाल द्वारा अलंकार–पुरस्कार समिति दिनांक 15.7.2022 द्वारा चयनित अलंकार–पुरस्कारों की सूची प्रस्तुत की गई, जिसे स्वीकृति प्रदान की गई।

राज्य परिषद का वार्षिक अधिवेशन जम्बूरी स्थल, रोहट जिला पाली में आयोजित किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी के आयोजन पर चर्चा करते हुए सभी को इस कार्यक्रम में सक्रियता के साथ जुड़कर सफल बनाने का आव्हान किया गया। इस हेतु जम्बूरी समितियों में पाली व जोधपुर संभाग के स्थानीय पदाधिकारियों, जन प्रतिनिधियों एवं स्काउटर्स/गाइडर्स को जोड़ने, जम्बूरी कार्यालय जोधपुर/पाली में स्थापित करने, सभी कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता, सभी समितियों की बैठकें शीघ्र कर संशोधित बजट तैयार कर प्रस्तुत करने, जम्बूरी स्थल पर 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी का बोर्ड लगवाने, जम्बूरी आयोजन का विज्ञापन तैयार कर समाचार पत्रों में प्रकाशित कराने, जम्बूरी ऑफिस को अपडेट करने तथा इसमें वेबसाइट, इन्टरनेट, प्रिंटिंग इत्यादि कार्य यथासमय पूर्ण करने इत्यादि निर्णय लिये गये।

स्टेट चीफ कमिश्नर ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोरोना काल में संगठन के सभी सदस्यों द्वारा वृहद स्तर पर प्रशंसनीय कार्य किया गया, जिसका परिणाम उपलब्धियों में झलकता है। राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान अपना वर्चस्व कायम रखे हुए है, जो प्रसन्नता का विषय है। उन्होंने विश्वास जताया कि सामूहिक प्रयासों और कार्यो से निःसंदेह रूप से 18वीं राष्ट्रीय स्काउट/गाइड जम्बूरी का आयोजन प्रदेश में ऐतिहासिक सफलता के साथ सम्पन्न किया जायेगा।

अन्त में आभार एवं राष्ट्रगान के साथ मीटिंग की कार्यवाही सम्पन्न हुई।

हिमाचल प्रदेश में राजस्थानी रोवर रेंजर्स ने लहराया परचम

भारत स्काउट गाइड के तत्वाधान में दिनांक 1 से 5 जुलाई 2022 तक धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में आयोजित नेशनल रोवर रेंजर कार्निवल में कुल 5 रोवर 4 रेंजर द्वारा सहभागिता की जा रही है।

राजस्थान के भीलवाड़ा से 1 व बाड़मेर जिले से 2 रोवर जयपुर से 4 रेंजर 2 रोवर इसमें सहभागिता कर रहे हैं। कार्निवल में आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में राजस्थान के रोवर रेंजर ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया। कार्निवल में फूड प्लाजा में राजस्थान के विभिन्न व्यंजनों एवं पकवानों का प्रदर्शन किया गया। साथ ही कल्चर फेस्ट में राजस्थान के लोक नृत्य घूमर, कालबेलिया आदि पर प्रस्तुति दी गई।

राजस्थान से सहभागिता कर रहे रोवर रेंजर को ''बेस्ट रोवर रेंजर टीम इन कार्निवल'' का खिताब भी प्राप्त हुआ।

प्रदेश के रोवर–रेंजर्स ने हिमाचल प्रदेश में लहराया परचम

नवज्योति, जयपुर। भारत स्काउट गाइड द्वारा एक से पांच जुलाई तक हिमाचल प्रदेश में हुए 'नेशनल रोवर रेंजर कार्निवल' में प्रदेश के नौ रोवर रेंजर द्वारा भाग लिया गया। कार्निवल में जयपुर से रेंजर रिंकी शर्मा, माया चौधरी, नीलम कुमावत, हंसा कुमावत और रोवर मोहित व रोशन यादव समेत भीलवाड़ा से एक व बाड़मेर से दो रोवर शामिल हुए। कार्निवल में रंगोली प्रतियोगिता में राजस्थान के रोवर रेंजर ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया। कार्निवल में फूड प्लाजा में राजस्थान के विभिन्न व्यंजनों एवं पकवानों का प्रदर्शन किया गया। साथ ही कल्चर फेस्ट में प्रदेश का लोक नृत्य घूमर, कालबेलिया आदि की प्रस्तुति दी गई। राजस्थान से सहभागिता कर रहे रोवर रेंजर को बेस्ट रोवर रेंजर टीम इन कार्निवल का खिताब भी मिला।

स्काउट आवासीय विद्यालय में सर्वधर्म प्रार्थना सभा

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, जगतपुरा, जयपुर पर संचालित राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय में आज प्रातः सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया।

सी.ओ. स्काउट गणेश प्रसाद गुर्जर ने बताया कि आज प्रातःकालिन वेला के अवसर पर महात्मा गांधी सेवाग्राम आश्रम, वर्धा, महाराष्ट्र से श्री मनोज ठाकरे के मुख्य आतिथ्य में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन हुआ। श्री ठाकरे ने बताया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन सभी समुदाय में आपसी भाईचारा एवं प्रेम का वातावरण पैदा कने के लिए किया जाता था। सभी धर्मों के मध्य सद्भावना पैदा करने के लिए इस सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शान्ति–समन्वय) श्री मनीष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में इस प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री शर्मा द्वारा बताया गया कि वर्ष पर्यन्त इस प्रकार के आयोजनों से समाज का सौहार्द स्वच्छ एवं निर्मल बना रहेगा तथा स्काउट जैसी पवित्र संस्था के सदस्यों के साथ समाज के समस्त वर्गों के लोग मिलकर इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करते रहने से देश में शान्ति–अहिंसा का माहौल तैयार होगा। विद्यालय परिवार की ओर से वरिष्ठ अध्यापक राजेन्द्र कुमार यादव ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

वृक्षारोपण

संगठन के संरक्षक श्री जी.एस. बाफना एवं राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन के सान्निध्य में जयपुर स्थित दुर्गापुरा गोशाला में वृक्षारोपण किया गया, जिसमें ४५ रोवर रेंजर व यूनिट लीडर ने सहभागिता कर विभिन्न प्रकार के पौधे रोपित किये।

जम्बूरी कोर कमेटियों की बैठक

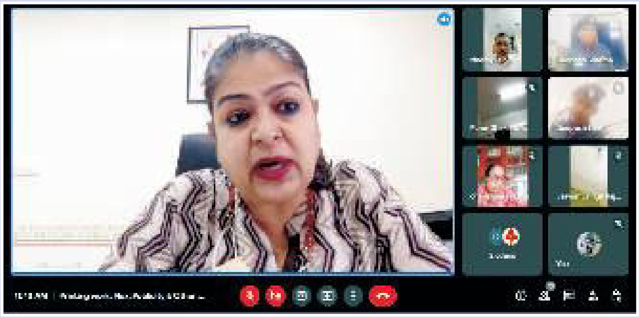

श्रीमती मुग्धा सिन्हा (आई.ए.एस.) : प्रिंटिंग कार्य, फ्लैक्स,प्रचार-प्रसार, स्मारिका व दैनिक बुलेटिन प्रकाशन समिति

श्री नवीन महाजन (आई.ए.एस.) : मंच, एरिना, रोड़ व्यवस्था समिति

श्री महेंद्र कुमार पारख (आई.ए.एस.): स्नानघर एवं सेनिटेशन व्यवस्था समिति

श्री कानाराम (आई.ए.एस.): स्टोर भंडार/स्टॉक समिति

डॉ. अखिल शुक्ला : एडवेंचर एवं फन बेस व्यवस्था समिति

श्री महेंद्र कुमार पारख (आई.ए.एस.) : स्नानघर एवं सेनिटेशन व्यवस्था समिति

श्री प्रमोद टांक (एम.डी. जोधपुर विधुत वितरण निगम लिमिटेड): विधुत व्यवस्था समिति

डॉ. अखिल शुक्ला : फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, माइक एवं ध्वनि तथा सोशल मीडिया समिति

श्रीमती प्रवीणा चारण (आरटीओ) : यातायात एवं स्थानीय भ्रमण व्यवस्था समिति

श्रीमति सुमित्रा पारीक (जिला रसद अधिकारी पाली) : भोजन एवं जलपान व्यवस्था समिति

गतिविधि दर्पण

प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आयोजित गतिविधियों, शिविर इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

अजमेर मण्डल

वीकेवी हुरड़ा विद्यालय में नये ग्रुप का गठन

- वीकेवी हुरड़ा, भीलवाड़ा में नए ग्रुप का गठन किया गया तथा इसके साथ ही स्काउट गाइड में शामिल होने वाले छात्र छात्राओं को स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित वार्ता दी गई।

प्रधानाचार्य ने बताया कि सभी छात्र छात्राओं ने स्काउटिंग गाइडिंग में उत्साह से भाग लेने के लिए खुशी व्यक्त की है और ग्रुप के गठन से पूर्व ही कुछ छात्र–छात्राओं ने तो स्काउट गाइड यूनिफॉर्म भी बनवा ली है।

भरतपुर मण्डल

जिला कार्यकारिणी समिति की बैठक सम्पन्न

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भरतपुर की जिला कार्यकारिणी बैठक 06 जुलाई, 2022 को मण्डल मुख्यालय, भरतपुर सभागार में श्री साहब सिंह मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मुख्यायुक्त भरतपुर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

प्रार्थना सभा से प्रारम्भ इस बैठक में स्वागत एवं परिचय के बाद राजेन्द्र प्रसाद मीणा सी.ओ. स्काउट ने सत्र के लक्ष्य एवं उपलब्धि, रघुवर सिंह एवं सत्यनारायण सैन लेखा लिपिक

द्वारा वास्तविक आय–व्यय एवं प्रस्तावित आय–व्यय को स्वीकृति हेतु सभा में रखा जिसे स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में ऑडिटर की नियुक्ति, राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी में स्थानीय संघ स्तर से स्काउट गाइड की सहभागिता, बकाया कोटामनी राशि, नवीन स्थानीय संघ उच्चैन भुसावर का गठन, स्काउट गाइड के प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार आदि पर विचार विमर्श किया गया।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक व प्रारम्भिक शिक्षा, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर स्काउट व गाइड, सचिव स्थानीय संघ एवं सहायक लीडर ट्रेनर स्काउट ने भाग लिया। जिला कोषाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ने स्थानीय संघ, जिला एवं मण्डल स्तर पर उचित लेखा संधारण करने हेतु आवश्यक सुझाव दिये। श्री साहब सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोदन में सभासदों को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्काउट गाइड गतिविधि के विकास एवं विस्तार हेतु सभी आपसी समन्वय एवं सहयोग कर क्रियान्विति करावें ताकि लक्ष्यों की उपलब्धि प्राप्त हो सके।

बैठक का संचालन श्री रामजस लिखाला सहायक राज्य संगठन स्काउट भरतपुर ने किया।

बीकानेर मण्डल

मातृ-शक्ति द्वारा वृक्षारोपण

- भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, संगरिया (हनुमानगढ़) के प्रशिक्षण केंद्र पर अग्रवाल महिला मंडल और इनर व्हील क्लब के संयुक्त तत्वाधान में वृक्षारोपण किया गया। प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर (गाइड) डॉ. रेणु झींझा ने बताया कि क्लब के द्वारा छायादार व फलदार पौधे लगाए गए। इस अवसर पर अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष संतोष अग्रवाल ने संबोधित करते कहा की वृक्ष जीवन–प्रदान करने वाली ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, जिसके बिना मानव जाति का अस्तित्व असंभव है। इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष कमल गर्ग

ने कहा की वृक्ष मानव जीवन के साथ–साथ अन्य जीवों के लिये भी उपयोगी है। इस पृथ्वी पर कई ऐसे जीव जैसे पक्षी, गिलहरी, कीड़े–मकोड़े इत्यादि वृक्ष पर रहते है, वृक्ष पर घर बनाते है। वृक्ष से प्राप्त फल–फूल खाते है। इनका सम्पूर्ण जीवन इन्हीं पर व्यतीत होता है। ऐसे में वृक्ष काटना अर्थात किसी के जीवन को छीनना है।

स्काउटर प्रतिनिधि योगेश भोबिया ने क्लब के सदस्यो को स्काउट गाइड की गतिविधियों से अवगत करवाया और वृक्षारोपण के लिए साधुवाद दिया। कार्यक्रम में अग्रवाल महिला मंडल की किरण गर्ग, कमल, अंजु, श्वेता, रमा, अंजु बंसल, सरोज गर्ग, रीना, आशा गुप्ता, अरुणा अग्रवाल, रिम्पी, अंजना, सुमन गर्ग और इनर व्हील क्लब से नम्रता आहूजा, डॉ. विनोद बाला, नीलम सिडाना, शालिनी मरेजा, सुमन बंसल, हरप्रीत कौर, सीमा चगती, निशा मिढ़ा, निशा छाबड़ा, कंचन ठकराल, पुष्पा मित्तल व स्काउट के सचिव फूलसिंह शर्मा, कोषाध्यक्ष राजेश कुमार, संरक्षक प्रभु सिंह, ओमप्रकाश कोटी, रविंद्र सिंह, अनिल कुमार ने वृक्षारोपण किया।

जयपुर मण्डल

राष्ट्रपति अवार्ड विशेष प्रशिक्षण शिविर

◈ भारत स्काउट व गाइड के तत्वाधान में मंडल मुख्यालय बनीपार्क, जयपुर पर 25 से 29 जून 2022 तक मंडल स्तरीय राष्ट्रपति अवार्ड विशेष प्रशिक्षण शिविर सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) श्रीमती नीता शर्मा के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

शिविर में जयपुर मंडल के विभिन्न जिलों से कुल 24 गाइड एवं 30 रेंजर ने सहभागिता की। जिला संगठन आयुक्त श्रीमती ऋतु शर्मा ने बताया कि इन सभी गाइड एवं रेंजर द्वारा राष्ट्रपति अवार्ड जांच का राष्ट्र स्तरीय राष्ट्रपति अवार्ड ऑनलाइन एग्जाम हेतु आवेदन किया गया है, जिसकी ऑनलाइन परीक्षा अगस्त में होने की संभावना है। ऑनलाइन परीक्षा में सफल संभागियों को ही राष्ट्रपति अवार्ड प्रमाण पत्र द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। शिविर के संचालन में सहयोगी अलवर की जिला संगठन आयुक्त श्रीमती कल्पना शर्मा द्वारा संभागियों को ऑनलाइन परीक्षा हेतु आवश्यक जानकारी दी गई। शिविर में संभागियों को प्रशिक्षण देने में एसएसजी पारीक गर्ल्स कॉलेज चौमूं की रेंजर लीडर सुमित्रा गुप्ता, विजय सेंट्रल एकेडमी की रेंजर लीडर ममता सैनी व तारा शर्मा गाइड कैप्टन द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया।

गाइड्स के प्रशिक्षण शिविर आयोजित

◈ भारत स्काउट व गाइड, जयपुर मण्डल के अलवर जिला क्षेत्र में राज्य पुरस्कार गाइड के 3 शिविर आयोजित किये गये। राज्य पुरस्कार गाइड प्रशिक्षण शिविर 10 से 14 जुलाई, 2022 तक हुआ, जिसमें कुल 22 संभागी ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर का संचालन श्रीमती ललिता चौहान हिमालय वुड बैज (गाइड) द्वारा किया गया था।

द्वितीय राज्य पुरस्कार गाइड प्रशिक्षण शिविर 18 से 22 जुलाई, 2022 तक भास्करानन्द आश्रम बहरोड़ में आयोजित किया गया, जिसमें 71 गाइड्स ने सहभागिता की। इस शिविर का संचालन श्रीमती सविता यादव हिमालय वुड बैज (गाइड) द्वारा किया गया।

तृतीय राज्य पुरस्कार गाइड प्रशिक्षण शिविर दिनांक 18 से 22 जुलाई, 2022 तक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बानसूर में आयोजित किया गया, जिसमें 145 गाइड्स ने सहभागिता की। शिविर का संचालन श्रीमती सरिता यादव एडवांस (गाइड) द्वारा किया गया।

इस प्रकार तीनों शिविरों में कुल 238 गाइड्स ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण शिविरों में प्रवेश से लेकर राज्य पुरस्कार तक के सभी विषयों जैसे आंदोलन की जानकारी, नीति नियम सिद्धान्त, झण्डों की जानकारी, प्राथमिक चिकित्सा, पायनियरिंग, दिशा ज्ञान, अनुमान लगाना इत्यदि का मौखिक, लिखित एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा दिया गया।

तीन शिविरों में ३४७ स्काउट्स हुए प्रशिक्षित

◈ भारत स्काउट व गाइड, जयपुर मण्डल के अलवर जिला क्षेत्र

में राज्य पुरस्कार स्काउट के निम्नांकित 3 शिविर आयोजित किये गये–

राज्य पुरस्कार स्काउट प्रशिक्षण शिविर 10 से 14 जुलाई 2022 तक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मुण्डावर में आयोजित किया गया, जिसमें 35 संभागियों ने सहभागिता की। इस शिविर का संचालन श्री महेन्द्र सिंह ए.एल.टी. ने किया।

द्वितीय राज्य पुरस्कार स्काउट प्रशिक्षण शिविर 18 से 22 जुलाई, 2022 तक भास्करानन्द आश्रम बहरोड़ पर आयोजित हुआ। इस शिविर में 104 संभागियों ने सहभागिता की तथा शिविर का संचालन श्री प्रवीण यादव हिमालय वुड बैज ने किया।

तृतीय राज्य पुरस्कार स्काउट प्रशिक्षण शिविर दिनांक 18 से 22 जुलाई, 2022 तक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बानसूर पर आयोजित किया गया। शिविर में 208 संभागियों ने सहभागिता की और इस शिविर का संचालन श्री राजकुमार शर्मा प्री ए.एल.टी. ने किया।

इस प्रकार उक्त तीनों शिविरों में कुल 347 संभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रतियोगिता आयोजित कर मनाया विश्व जनसंख्या दिवस

◈ भारत स्काउट व गाइड, मण्डल जयपुर के मालवीय नगर स्थानीय संघ क्षेत्र में अमृत ग्रुप की पहल पर एम.एन.मार्डन सी.सै.स्कूल, मालवीय नगर में विश्व जनसंख्या दिवस पर स्काउट्स गाइड्स ने स्थानीय संघ द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में सहभागिता की। आशु भाषण में गाइड जया मीणा एवं पोस्टर प्रतियोगिता में अस्मिका पाठक, आईना कंवर, तथा यशस्वी आदि गाइड्स ने भाग लेकर पुरस्कार प्राप्त किये।

प्रतियोगिताओं का आयोजन स्थानीय संघ सचिव के.के. शर्मा के नेतृत्व में किया गया, जिसमें 50 स्काउट्स, गाइड्स ने शिरकत की।

जोधपुर मण्डल

विद्यालय को हरा-भरा बनाने के लिए गुरूजनों व स्काउट गाइड ने किया सघन वृक्षारोपण

◈ सिणधरी (बाड़मेर) जिले में सप्ताहभर से इंद्र भगवान मेहरबान है और हर जगह अच्छी बारिश हुई है। ऐसे में पौधारोपण की यह सबसे उत्तम अनुकूलता को मध्यनजर रखते हुए 09 जुलाई को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कमठाई में स्काउट गाइड इको क्लब के तत्वावधान में नवीन सत्र 2022–23 में प्रवेशोत्सव के तहत जनचेतना कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के स्काउट गाइड दल ने स्काउट यूनिट लीडर भूराराम डूडी के मार्गदर्शन में वृक्षारोपण कार्यक्रम की

शुरुआत करते हुए पौधारोपण किया। प्राध्यापक चेनाराम ने कहा कि पौधों से न केवल धरती की हरीतिमा बढ़ती है बल्कि वातावरण में शुद्धता भी बढ़ती है। प्रकृति के संतुलन में एक एक पौधे का महत्वपूर्ण योगदान है। वरिष्ठ अध्यापक हनुमानराम देदड़ ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अनादिकाल से ही पौधों में भगवान के विभिन्न रूपों का वास स्वीकार कर पूजनीय माना है। परन्तु आज भौतिक युग में लोग इसकी महत्ता को भूलते जा रहे है जिससे अनावृष्टि, अतिवृष्टि, भूकम्प, सूखा, ग्लोबल वार्मिंग, ध्रूवों का पिघलना, समुद्र तल का बढ़ना, विभिन्न प्रकार के नए असाध्य रोगों का खतरा बनना आदि कई समस्याएं बढ़ गयी है। हमें अधिकाधिक वृक्षारोपण करके इस धरती को पुनः सेहतमंद बनाने के लिए जीवंत प्रयास करने पड़ेंगे।

भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, सिणधरी के मानद सचिव दूदाराम चौधरी ने कहा कि स्काउट प्रकृति प्रेमी होता है। विद्यालय परिसर को हराभरा बनाने का जो बीड़ा विद्यालयों के स्काउट गाइड ने उठाया है वह काबिले तारीफ है इससे प्रकृति शुद्ध व सेहतमंद होगी और विद्यालय का माहौल व वातावरण अच्छा बनेगा। स्काउट यूनिट लीडर भूराराम डूडी ने बताया कि स्काउट गाइड बालचरों ने कनेर आदि विभिन्न प्रकार के सजावटी पौधे लगाकर वाटिका की शुरुआत की है। इस श्रृंखला में और भी पौधे लगाए जाएंगे।

पौधों की सुरक्षा व सेवा के लिए आवश्यक ट्री—गार्ड, जाली व जल की माकूल व्यवस्था की जा रही है ताकि आज लगाया गया हर पौधा कल वृक्ष का रूप धारण कर सके।

इस अवसर स्काउट गाइड बालचर, स्काउटर भूराराम, कानाराम समेत अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

उदयपुर मण्डल

जिला मूल्यांकन व समन्वय समिति की बैठक

◈ भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, उदयपुर द्वारा सूरजपोल स्थित विवेकानन्द सभागार में 09 जुलाई को आयोजित जिला स्तरीय जिला मूल्यांकन एवं समन्वय समिति की बैठक में बतौर अध्यक्ष जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा विरेन्द्र यादव ने कहा कि स्काउट गाइड के माध्यम से ही युवाओं को सामाजिक प्रकल्पों के साथ जुड़ने की प्रेरणा मिलती है जिससे युवा शक्ति सही दिशा की ओर बढ़ रही है। जिले के समस्त राजकीय एवं निजी विद्यालयों की दो चरण में निरीक्षण कर उनमें स्काउट गाइड प्रवृत्ति का संचालन आवश्यक है।

उन्होंने इस अवसर पर जिला संगठन को शिक्षा विभाग से हर संभव सहयोग प्रदान करने का विश्वास दिलाते हुए कहा कि निष्क्रिय स्थानीय संघों एवं सचिव स्थानीय संघों को उनके द्वारा अर्जित उपलब्धियों का आंकलन कर सूचीबद्ध करना आवश्यक है।

जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) सुरेन्द्र कुमार पाण्डे ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बैठक में दामोदर प्रसाद शर्मा सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट, जिला क्षेत्र के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एवं प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर स्काउट, स्थानीय संघों के सचिव, सहायक सचिव, संयुक्त सचिव एवं ट्रेनिंग कांउसलर्स ने भाग लिया।

इस अवसर पर पिछले वर्ष की वार्षिक उपलब्धियों का मूल्यांकन और चालू वर्ष की वार्षिक योजना का निर्धारण, रोहट, पाली में आयोज्य राष्ट्रीय जंबूरी में जिले से निर्धारित लक्ष्यानुसार सहभागिता, संख्यात्मक, गुणात्मक प्रगति, समाज सेवा, सामुदायिक सेवा प्रोजेक्ट, नेशनल ग्रीनकोर योजना की क्रियान्विति, ग्रुप विजिट, सदस्यता शुल्क कोटामनी वसूली, उद्योग पर्व आयोजन आदि विषयों पर चर्चा कर स्थानीय संघों के लक्ष्य निर्धारित कर सर्वसम्मति से अनुमोदन करवाया।

जिला संगठन आयुक्त गाइड विजय लक्ष्मी वर्मा ने गुणात्मक प्रगति, बॉयज गर्ल्स, वयस्क लीडर सहभागिता एवं ओवाईएमएस की जानकारी दी। इस अवसर पर उल्लेखनीय सेवाओं के लिए किशनलाल सालवी,गणपतलाल मेनारिया, जय कुमार गांधी, सोहनलाल मेघवाल, मन्नालाल गमार, सुशीला बरण्डा, अंजना शर्मा, अरविन्द कल्याण, लोकेश चौबीसा, लक्ष्मण सिंह राजपूत, चन्द्र प्रकाश सोनी सहित उपस्थित सभी मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को इकलाई पहनाकर प्रतीक चिन्ह प्रदान कर जिला शिक्षा अधिकारी ने अभिनन्दन किया। कार्यक्रम का संचालन सुरेन्द्र कुमार पाण्डे जिला संगठन आयुक्त स्काउट ने किया तथा अंत में विजयलक्ष्मी वर्मा ने सभी का शाब्दिक आभार प्रकट किया।

जिला स्तरीय सचिव बैठक सम्पन्न

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय सचिव संगोष्ठी का आयोजन प्रमोद कुमार दशोरा अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक समसा एवं जिला कमिश्नर स्काउट चित्तौड़गढ़ की अध्यक्षता में किया गया। चन्द्र शंकर श्रीवास्तव सी.ओ. स्काउट चित्तौड़गढ़ ने बताया कि अतिरिक्त मुख्य

सचिव स्कूल शिक्षा की अध्यक्षता में आयोजित वी.सी. में दिए गए निर्देशों की अनुपालना व राज्य मुख्यालय जयपुर के निर्देशानुसार राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी में स्काउट गाइड की सहभागिता, विद्यालयों में स्काउट गाइड गतिविधियों के संचालन हेतु ग्रुप पंजीकरण, संख्यात्मक व गुणात्मक वृद्धि, सक्रिय व प्रभावी संचालन हेतु प्रभारियों को स्काउट मास्टर, गाइड कैप्टन बेसिक कोर्स प्रशिक्षण शिविर, आदर्श स्काउट गाइड यूनिट संचालन योजना, नेशनल ग्रीन कोर योजनान्तर्गत इको क्लब विद्यालयों की सूची, पौधारोपण, स्वच्छता अभियान, प्लास्टिक मुक्त अभियान, नारालेखन आदि

जनचेतना कार्यक्रमों की क्रियान्विती हेतु कार्ययोजना बनाने हेतु जिला स्तरीय सचिव मीटिंग का आयोजन किया गया। प्रमोद कुमार दशोरा अति. जिला परियोजना समन्वयक समसा व जिला कमिश्नर स्काउट चित्तौड़गढ़ ने अपने अध्यक्षीय उदबोधन में कहा कि प्रदेश के समस्त राजकीय व निजी विद्यालयों में स्काउटिंग गतिविधि का संचालन किया जाना अनिवार्य है। राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी में प्रदेश के समस्त ब्लॉक से 4 स्काउट व 2 गाइड पेट्रोल भाग लेंगे। प्रत्येक पेट्रोल के अंदर 9 स्काउट/गाइड व 1 प्रभारी कुल 10 संभागी द्वारा सहभागिता की जानी है। जंबूरी की तैयारियों हेतु विद्यालयों का पंजीकरण कर स्काउट गाइड को पूरी तैयारी के साथ सहभागिता करनी होगी। जिले के समस्त राजकीय व गैर राजकीय विद्यालयों में स्काउट गाइड यूनिट का पंजीकरण कराकर प्रभारियों को सितम्बर माह में बेसिक कोर्स प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत सहभागिता कर विद्यालयों में स्काउट गाइड गतिविधि का सक्रिय व प्रभावी संचालन करना होगा। लीडर ट्रेनर इंद्रलाल आमेटा व जिला कमिश्नर एडल्ट रिसोर्स स्काउट चित्तौड़गढ़ ने स्थानीय संघ सचिव के दायित्व व कार्यप्रणाली के बारे में; चतर सिंह राजपूत, जिला प्रशिक्षण कमिश्नर स्काउट चित्तौड़गढ़ ने प्रशिक्षण शिविरों के बारे में; सत्य नारायण सोमानी ने स्काउट गाइड शिविरों के आयोजन व गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की।

मीटिंग में स्थानीय संघ के सचिव चन्द्रकांत शर्मा बड़ी सादड़ी, मनोज कुमार बोहरा बेंगू, शंकर लाल भाम्बी भदेसर, देवकी नन्दन वैष्णव चित्तौड़गढ़, गणेश लाल सुथार डूंगला, अरुण कुमार त्रिपाठी गंगरार, गोपाल लाल त्रिपाठी कपासन, मोहन लाल छीपा भोपाल सागर, सुनील कुमार डूंगरवाल निम्बाहेड़ा, रामेश्वर लाल अहीर राशमी, विद्याधर दशोरा रावतभाटा, गाइडर जयश्री कुमावत व रोवर युवराज तम्बोली आदि उपस्थित थे।

जिला कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में जिला कार्यकारिणी (तदर्थ समिति) बैठक का आयोजन स्काउट गाइड जिला मुख्यालय बीपी पार्क चित्तौडगढ पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, चित्तौड़गढ़ भूवनेश्वर प्रसाद भट्ट की अध्यक्षता में किया गया।

सीओ स्काउट चन्द्र शंकर श्रीवास्तव ने बताया कि राजस्थान चित्तौड़गढ़ की जिला कार्यकारि.ाी की बैठक का आयोजन भुवनेश्वर प्रसाद भट्ट मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला मुख्यायुक्त (स्काउट गाइड) जिला चित्तौड़गढ़ की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें जिला परिषद के गठन, जिला परिषद के वार्षिक अधिवेशन, राष्ट्रीय जम्बूरी, संख्यात्मक एवं गुणात्मक वृद्धि, नेशनल ग्रीन कोर योजना अन्तर्गत संचालित इको क्लब, आदर्श स्काउट गाइड यूनिट योजना, ग्रुप पंजीकरण, बिगनर्स एवं बेसिक कोर्स, स्थानीय संघ कार्यकारिणी, वार्षिक अधिवेशन, सघन वृक्षारोपण, विद्यालय एवं स्काउट गाइड छात्र छात्राओं को ओवाईएमएस पोर्टल पर पंजीकरण, बकाया कोटामनी, स्टीकर व इको क्लब आर्थिक सहायक राशि, सत्र 2021–22 की उपलब्धियों की समीक्षा एवं सत्र 2022–23 का वार्षिक कार्यक्रम निर्धारण लक्ष्य आवंटन व उपलब्धि कार्ययोजना पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये गये।

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी ने अपने उद्बोधन में कार्यकारिणी सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय जम्बूरी में प्रत्येक स्थानीय संघ से सहभागिता की जानी है। प्रत्येक विद्यालय में स्काउट गाइड गतिविधि का संचालन किया जाना अनिवार्य है। जिले में स्काउट गाइड गतिविधि को सक्रिय संचालन हेतु आदर्श स्काउट गाइड यूनिट योजना बनाकर संचालन किया जायेगा। जिसमें प्रत्येक ब्लॉक पर 30 विद्यालयों का चयन कर प्रभारियों को प्रशिक्षण प्रदान कर गतिविधि का संचालन सुनिश्चित किया जायेगा।

प्रमोद कुमार दशोरा अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा एवं जिला कमिश्नर स्काउट व राजेन्द्र कुमार शर्मा जिला शिक्षा अधिकारी प्राशि एवं जिला कमिश्नर कब ने भी अपने विचार व्यक्त किये। बैठक में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी महेश कुमार व्यास बड़ी सादड़ी, गोपाल लाल शर्मा राशमी, कृष्णा चाष्टा कपासन, इन्द्रा गुप्ता निम्बाहेडा, प्रधानाचार्य अरविन्द कुमार मुन्दडा, गोवर्धन लाल जाट, भरत लाल स्वामी, अमृत लाल रेगर, नरेन्द्र कुमार गदिया, जिला कमिश्नर, एडल्ट रिर्सोस स्काउट इन्द्र लाल आमेटा, जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट चतर सिंह राजपुत, जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड शीला दशोरा, सत्यनारायण सोमानी, स्थानीय संघ सचिव चन्द्र कांत शर्मा, रामेश्वर लाल अहीर, मोहन लाल छिपा, गणेश लाल सुथार, सुनिल कुमार डूंगरवाल, स्काउटर पंकज दशोरा, अजय सिंह राठौड, सत्यनारायण शर्मा, कैलाश चन्द्र अहीर, लुकमान रहमानी, सुनीता अग्रवाल, रोवर युवराज तम्बोली एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे।

नेशनल ग्रीन कोर

विद्यालय में इको क्लब गतिविधि

◆ मेन्दू हुसैन
सेवानिवृत्त व्याख्याता एवं स्काउटर, जालोर

पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित "इको क्लब" प्रदेश के सभी विद्यालयों में संचालित है। राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड संगठन की कर्तव्यनिष्ठ को देखते हुए इसे नोडल ऐजेन्सी के रूप में नियुक्त किया गया है। प्रत्येक जिले में 250 इको क्लब स्थापित है जो पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धी विभिन्न गतिविधियों का संचालन करते है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य बालकों में पर्यावरण के प्रति चेतना जाग्रत करना है।

यदि आप और सभी मिलकर पर्यावरण संन्तुलन की समस्या के प्रति संवेदना जताते हुए इनके संरक्षण हेतु सक्रिय सहयोग दे तो उम्मीद हैं अवश्य ही अपेक्षित परिवर्तन आयेंगें।

इको क्लब प्रभारी के नेतृत्व बालकों के सहयोग से निम्न गतिविधियाँ अपेक्षित हैंः–

1. विद्यालय परिसर एवं आसपास सार्वजनिक स्थलों पर वर्षा ऋतु में वृक्षारोपण कर हराभरा करना एवं उनका संरक्षण करना।
2. विद्यालय में समय समय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करना जैसे निबन्ध, पोस्टर, नारालेखन आदि।
3. विद्यालय भवन के बारामदों एवं चार दिवारी पर पर्यावरण सम्बन्धी नारे लिखना।
4. विद्यालयों में बालकों को ऊर्जा संरक्षण की जानकारी देकर ऊर्जा की बचत के विभिन्न तरीके बताना।
5. 15 अगस्त एवं 26 जनवरी के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धी कार्यक्रम आयोजित कर बालकों एवं आम नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण का सन्देश देना।
6. माह में एक बार पौलिथीन उन्मूल्य हेतु कार्यक्रम आयोजित कर पौलिथिन को नष्ट करना।
7. यदि विद्यालय में पर्याप्त जगह हो तो एक सुन्दर वाटिका का निमार्ण करना।
8. विद्यालय में पर्यावरण सम्बन्धी विभिन्न दिवसों पर कार्यक्रम आयोजित कर प्रदुषण एवं उसके हुए प्रभावों को रोकने के उपाय जैसे – विश्व जल दिवस, पृथ्वी दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस आदि करना।
9. गर्मी भी ऋतु में पंक्षीयों हेतु परिन्दे एवं चुग्गा पात्रों की व्यवस्था करना।
10. विद्यालय परिसर को स्वच्छ रखने हेतु एवं कचरे के निस्तारण हेतु कम्पोस्टर पीट एवं सोख्ता गड्डों का निर्माण करना।
11. बालकों की पर्षा जल संरक्षण एवं पुर्नभरण की जानकारी देकर उनके तरीके बताना।
12. बालकों को पेयजल संरक्षण एवं इसके दुरूपयोग को रोकने के विभिन्न तरीके बताना।
13. पर्यावरण सम्बन्धी कार्यक्रम आयोजित कर उनके फोटोग्राफ एवं न्यूज समाचार पत्रों में प्रकाशित करना जिससे बालकों एवं आम जनता में पर्यावरण के प्रति चेतना जागृत हो सकें।
14. वर्ष में एक बार प्रकृति भ्रमण का कार्यक्रम आयोजित करना जिससे प्राकृतिक संसाधनों की जानकारी मिल सकें।
15. विद्यालयों में आयोजित सराहनीय कार्यक्रमों की रिपोर्ट, प्रतिवेदन, फोटोग्राफ आदि सम्बन्धित अधिकारियों को प्रेषित करें, ताकि सराहनीय एवं उत्कृष्ट कार्यों हेतु बालकों एवं विद्यालय को सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हो सकें।

पर्यावरण संरक्षण एक पुनित कार्य है इस हेतु "संदेश" –

बन सहारा बे सहारों के लिए।
बन किनारा भ्रमित नावों के लिए।।
तू जियां अपने लिए तो क्या जियां।
जी सके तो जी हजारों के लिए।।

अभिरूचि शिविर
स्वावलम्बन और स्वरोजगार के आधार स्तम्भ

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड द्वारा वर्ष 1974 से लगातार प्रतिवर्ष ग्रीष्मावकाश के सदुपयोग व छात्र छात्राओं को स्वावलम्बी बनाने के उद्देश्य से अभिरूचि एवं लघु उद्योग प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। ये शिविर विद्यालयों के ग्रीष्मावकाश के दौरान संचालित किये जाते हैं, जिनमें विभिन्न रोजगारोन्मुखी विषयों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी मई–जून में सम्पूर्ण प्रदेश में मण्डल, जिला, स्थानीय संघ (ग्रामीण व शहरी) व ग्रुप स्तर पर कुल 132 अभिरूचि शिविर संचालित किये गये। इन शिविरों में 18891 सम्भागियों ने भाग लेकर कम्प्यूटर, सिलाई, कढ़ाई, वाद्ययंत्र, इंटीरियर डेकोरेशन, सॉफ्ट टॉयज, पेंटिंग, डांस, इंग्लिश स्पीकिंग, तैराकी, मेहन्दी, ब्यूटीशियन, जूडो कराटे, कुकिंग, जल सेवा, संगीत, बिजली का कार्य, केन वर्क, साज सज्जा, जरी वर्क, बंधेज, लघु उद्योग, इलेक्ट्रोनिक्स, आत्मरक्षा आदि विषयों का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

जिला	शिविर का स्तर	स्थान	संभागी
अजमेर मण्डल में कुल 13 शिविरों में 2571 सम्भागी लाभान्वित			
अजमेर	मण्डल स्तर	रा केन्द्रीय बाउमावि पुरानी मण्डी अजमेर	380
	जिला स्तर	सावित्री राबाउमावि प्रारंभिक विभाग अजमेर	120
	स्थानीय संघ स्तर	राउमावि सावंतसर किशनगढ़	200
भीलवाड़ा	जिला स्तर	राबाउमावि गुलमण्डी	230
	जिला स्तर	कुडोज किड्स सी.सै. स्कूल भीलवाड़ा	125
	स्थानीय संघ स्तर	केशव प.सी.सै. स्कूल शाहपुरा, भीलवाड़ा	85
नागौर	जिला स्तर	राबाउमावि गिनानी नागौर	245
	जिला स्तर	विष्णु बाल निकेतन सी.सै. स्कूल नागौर	95
	स्थानीय संघ स्तर	मारवाड़ केसरी सी.सै. स्कूल देउसर कुचामन सिटी	120
	स्थानीय संघ स्तर	श्री वागिशरी स्कूल मारवाड़ मूण्डवा	215
	स्थानीय संघ स्तर	राउमावि बा श्रीबालाजी	145
	ग्रुप स्तर	राउमावि हनुमाननगर	65
	ग्रुप स्तर	राउमावि जसवन्तगढ़ लाडनू	102
टोंक	जिला स्तर	सुमित गार्डन मोहल्ला सोरगरान	184
	स्थानीय संघ स्तर	अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन देवली	140
	स्थानीय संघ स्तर	राउमावि दूनी	120
भरतपुर मण्डल में कुल 14 शिविरों में 1512 सम्भागी लाभान्वित			
भरतपुर	जिला स्तर	नेशनल एकेडमी सी सै स्कूल एकता बिहार भरतपुर	151
	स्थानीय संघ स्तर	अग्रसेन पब्लिक सैक्टर 03 आर्शीवाद कॉम्प्लैक्स के पास भरतपुर	168
	ग्रुप स्तर	अमर ज्योति विद्यापीठ सी.सै. स्कूल गोपालगढ़ पहाड़ी	78
धौलपुर	जिला स्तर	रामावि इन्फेन्ट धौलपुर	135
करौली	जिला स्तर	रा बापू उप्रावि करौली	140
	स्थानीय संघ स्तर	मोंटेसरी इंग्लिश मीडियम पब्लिक स्कूल, करौली	130
	ग्रुप स्तर	राउप्रावि वखतपुरा	40
	ग्रुप स्तर	राउमावि महू इब्राहिमपुर	140
सवाई माधोपुर	जिला स्तर	स्काउट गाइड प्रशिक्षण केन्द्र सवाई माधोपुर	125
	जिला स्तर	चिराग शिक्षण संस्थान सवाई माधोपुर	120
	स्थानीय संघ स्तर	राउमावि गंगापुर सिटी डी. ब्लॉक	65
	स्थानीय संघ स्तर	सुबोध पब्लिक स्कूल, बौंली	80
	ग्रुप स्तर	महात्मा गांधी रा.वि.पट्टी खुर्द बामनवास	75
	ग्रुप स्तर	लिटिल फ्लावर उमावि मलारना डूंगर	65
बीकानेर मण्डल में कुल 24 शिविरों में 2769 सम्भागी लाभान्वित			
बीकानेर	मण्डल स्तर	म गांधी रावि मुरलीधर व्यास कॉलोनी बीकानेर	181
	जिला स्तर	रा बोथरा उमावि, गंगाशहर	164
	स्थानीय संघ स्तर	राउप्रावि कुम्हारों का मोहल्ला लूणकरणसर	35
	स्थानीय संघ स्तर	राप्रावि खाजूवाला	32
	ग्रुप स्तर	गोपेश्वर विद्यापीठ गंगाशहर	140
चुरू	जिला स्तर	मेरी गोल्ड वर्ल्ड सी.सै. स्कूल चूरू	78
	स्थानीय संघ स्तर	रा टांटिया बाउप्रावि सरदारशहर	202

	ग्रुप स्तर	राउप्रावि ऊंटवालिया	42
हनुमानगढ़	जिला स्तर	राउप्रा संस्कृत वि सेक्टर न 6, हनुमानगढ़ जंक्शन	126
	स्थानीय संघ स्तर	ग्रामोत्थान विद्यापीठ, सांगरिया	164
	स्थानीय संघ स्तर	रामावि नन्दराम की ढाणी	82
	ग्रुप स्तर	ग्लोबल विद्यालय, गोलूवाला	77
	ग्रुप स्तर	बाल विकास आदर्श उमावि नोहर	52
श्रीगंगानगर	जिला स्तर	मा. गांधी रावि, श्रीगंगानगर	300
	स्थानीय संघ स्तर	संजीवनी कॉन्वेट स्कूल, सादुलशहर	210
	स्थानीय संघ स्तर	गुरू शरण छाबड़ा उमावि, सुरतगढ़	25
	ग्रुप स्तर	सरस्वती ग्रामोत्थान उमावि बींझबायला	35
	ग्रुप स्तर	राबाउमावि पदमपुर	15
झुन्झुनू	जिला स्तर	स्काउट गाइड जिला मुख्यालय–झुन्झुनूं	235
	जिला स्तर	शहीद कर्नल जे.पी जानू राउमावि झुन्झुनूं	210
	स्थानीय संघ स्तर	एम.आर.एस श्रीकृष्ण परनामी सी.सै. स्कूल, चिड़ावा	65
	स्थानीय संघ स्तर	जवाहर मेमोरियल सी. सै. स्कूल मनोता खुर्द खेतड़ी नगर	75
	ग्रुप स्तर	श्री टिबड़ेवाल शि.सं. राउमावि गागियासर	142
	ग्रुप स्तर	ब्राइट फ्यूचर एकेडमी भोडकी	82
जयपुर मण्डल में कुल 20 शिविरों में 2802 सम्भागी लाभान्वित			
जयपुर	मण्डल स्तर	राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड म.मु. बनीपार्क	326
	जिला स्तर	राजकीय सिंधी बालिका उमावि जवाहर नगर जयपुर	158
	स्थानीय संघ स्तर	राउमावि मुरलीपुरा बीड़ जयपुर	152
	ग्रुप स्तर	रा. महात्मा गांधी सरदार उमावि कोटपुतली	195
अलवर	जिला स्तर	राबाउमावि मन्नी का बड़	110
	जिला स्तर	ओम आर्य जीनियस एकेडमी अलवर	60
	स्थानीय संघ स्तर	राउमावि मुण्डावर	121
	स्थानीय संघ स्तर	राउमावि मौजपुर	92
	ग्रुप स्तर	देवी पब्लिक उमावि पेहल	97
	ग्रुप स्तर	स्वामी केशवानन्द उमावि लक्ष्मण गढ़	245
दौसा	जिला स्तर	राबाउप्रावि गुप्तेश्वर रोड़ दौसा	110
	स्थानीय संघ स्तर	होली वर्ड फ्यूचर एकेडमी मण्डावरी	178
	स्थानीय संघ स्तर	श्री बी.एन जोशी राउमावि बांदीकुई	75
	ग्रुप स्तर	महात्मा गांधी रा.वि.पट्टी डीडवाना	177
	ग्रुप स्तर	ग्राम पंचायत भवन श्यामपुरा कलां	80
	ग्रुप स्तर	शुभम आदर्श विद्या मन्दिर बसवा	79
सीकर	जिला स्तर	श्री हरदयाल राउमावि बजाज सर्किल सीकर	160
	स्थानीय संघ स्तर	राबाउमावि खेतड़ी मोड नीमकाथाना	167
	स्थानीय संघ स्तर	रा वरि उपा संस्कृत वि लक्ष्मणगढ़	75
	ग्रुप स्तर	माउन्ट कार्मल पब्लिक स्कूल चोपड़ बाजार दांता	145
जोधपुर मण्डल में कुल 22 शिविरों में 3353 सम्भागी लाभान्वित			
जोधपुर	मण्डल स्तर	राबाउमावि सूरसागर जोधपुर	373
	जिला स्तर	राउमावि जालमसिंह का हत्था	406
	स्थानीय संघ स्तर	रा उ मा वि बिलाड़ा	75
	स्थानीय संघ स्तर	रा उ मा वि मालियों का बास	85
	ग्रुप स्तर	श्री सरस्वती बा वीणा भारती उ मा वि सूरसागर, जोधपुर	42
बाड़मेर	जिला स्तर	अन्तरी देवी राबाउमावि बाड़मेर	300
	स्थानीय संघ स्तर	राबाउमावि बायतु	97
	ग्रुप स्तर	राउमावि सरवड़ी चारणान	78
जालौर	जिला स्तर	रा उ प्रा वि हनुमानशाला	192
	स्थानीय संघ स्तर	रा बा उ मा वि सांचौर	185
	स्थानीय संघ स्तर	रामदेव मन्दिर सभा भवन भीनमाल	62
	ग्रुप स्तर	इन्द्रा कॉलोनी डुंगरी चितलवाना	55
	ग्रुप स्तर	शान्तिबाल निकेतन उ मा वि रामदेव कॉलोनी जालोर	82

जैसलमेर	जिला स्तर	रा मा वि कुम्हार	146
	स्थानीय संघ स्तर	लिखमणियों की बगीची पोकरण	88
	स्थानीय संघ स्तर	सरस्वती शिक्षण संस्थान सैकेण्डरी स्कूल नाचना	79
	ग्रुप स्तर	रा उ मा वि भागु का गॉव	62
पाली	जिला स्तर	मॉ आशापुरा मा वि जगदम्बा नगर, पाली	245
	स्थानीय संघ स्तर	रा उ मा वि जोड़लियां स्था. संघ देवली आऊवा	205
	ग्रुप स्तर	रा उ मा वि हाऊसिंग बोर्ड पाली	203
सिरोही	जिला स्तर	रा विशिष्ठ पूर्व मावि बाल मन्दिर	187
	स्थानीय संघ स्तर	राउमावि पिण्डवाड़ा	106

कोटा मण्डल में कुल 21 शिविरों में 2704 सम्भागी लाभान्वित

कोटा	मण्डल स्तर	सेंट जोसफ सी. सै. स्कूल, बैराज रोड़ कोटा	209
	जिला स्तर	कोटा बाल विद्यालय कैनाल रोड़, कोटा	39
	स्थानीय संघ	ब्राइट लेन्ड सी. सै. स्कूल बजरंग नगर	43
	स्थानीय संघ	द रे मार्शल एकेडमी रामगंज मण्डी	122
	ग्रुप स्तर	न्यू पब्लिक सी. सै. स्कूल, विज्ञान नगर	118
बारां	जिला स्तरीय	रा.बा.उ.प्रा.वि. पुराना अस्पताल बारां	223
	स्थानीय संघ स्तरीय	रा.बा.उ.प्रा.वि. पुराना अस्पताल बारां	145
	स्थानीय संघ स्तरीय	हाट चौक अटरू बारां	152
बून्दी	जिला स्तर	रा.बा.उ.मा.वि. विकास नगर बून्दी	267
	स्थानीय संघ स्तरीय	स्काउट गाइड मुख्यालय, बून्दी	158
	स्थानीय संघ स्तरीय	रा.बा.उ.मा.वि. नैनवा	85
	स्थानीय संघ स्तरीय	रा.उ.मा.वि., इन्द्रगढ	232
	ग्रुप स्तर	रा.उ.मा.वि., तलवास	86
	ग्रुप स्तर	रा.उ.मा.वि., सीन्ता	144
झालावाड़	जिला स्तरीय	स्काउट गाइड जिला मुख्यालय–झालावाड़	108
	स्थानीय संघ स्तरीय	राउप्रावि0 मेन मारकेट, अकलेरा	103
	स्थानीय संघ स्तरीय	किड्स प्राईड स्कूल खानपुर	79
	जिला स्तर	राउमावि0 भवानीमण्डी	122
	ग्रुप स्तरीय	आईक्यिल पब्लिक स्कूल डग	87
	स्थानीय संघ स्तरीय	राबाउमावि0 सुनेल	86
	ग्रुप स्तरीय	राबाउमावि0 चौमहला	96

उदयपुर मण्डल में कुल 18 शिविरों में 3180 सम्भागी लाभान्वित

उदयपुर	मण्डल स्तर	हेप्पी होम उमावि प्रतापनगर उदयपुर	185
	जिला स्तर	राजस्थान महिला गेलड़ा बाउमावि उदयपुर	205
	स्थानीय संघ स्तर	राप्रावि रावलिपोल भिण्डर	102
बांसवाड़ा	जिला स्तर	राजकीय नूतन उमावि बांसवाड़ा	370
	स्थानीय संघ स्तर	हिम्मत स्कूल परिसर गढ़ी	135
	स्थानीय संघ स्तर	स्थानीय संघ कुम्भलगढ़ कार्यालय	230
चित्तौड़गढ़	जिला स्तर	रा पुरूषार्थी उमावि चित्तौड़गढ़	202
	स्थानीय संघ स्तर	श्रीकालका ज्ञानकेन्द्र प्रतापनगर	65
डूंगरपुर	जिला स्तर	रामहारावल उमावि डूंगरपुर	130
	स्थानीय संघ स्तर	रामावि नंबर 1 सांगवाडा	201
	ग्रुप स्तर	राउमावि बरबोदनियां तह. सागवाडा	75
प्रतापगढ़	जिला स्तर	राजकीय बालिका उमावि प्रतापगढ़	219
	स्थानीय संघ स्तर	स्का. गा. कार्यालय पुराना उमावि धारियावाद	287
	ग्रुप स्तर	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अवलेश्वर	180
राजसंमद	जिला स्तर	राबाउमावि कांकरोली	233
	स्थानीय संघ स्तर	राउमावि आमेट	170
	स्थानीय संघ स्तर	राबामावि नाथद्वारा	156
	ग्रुप स्तर	द गोल्डन ड्रीमस एकेडमी बागोल	35

आयोजित सभी अभिरूचि, हस्तकला, लघु उद्योग प्रशिक्षण शिविरों के समापन समारोह व दर्शक दिवस कार्यक्रम आयोजित हुए तथा शिविर के दौरान अनेक राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय दिवसों का भव्य आयोजन भी अद्भुत रहा। इस दौरान जन प्रतिनिधियों एवं स्टेट पदाधिकारियों के सान्निध्य में प्रशिक्षणार्थी बालक–बालिकाओं के मनोबल में वृद्धि हुई।

हमारा स्वास्थ्य

ध्यान से साधें भावनाओं की डोर

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव
संकलनकर्ता

भावनाओं का सीधा सम्बन्ध हमारे विचारों से है और जिसके विचार जितने संयमित और सकारात्मक होंगे वो उतना ही ज्यादा शांत होगा और विचारो को संयमित करने की विधि है "ध्यान", ध्यान से हम अपनी स्वांसों से जुड़ जाते हैं जिससे विचारों का प्रवाह थमने लगता है और हम तटस्थता की स्थिति प्राप्त कर लेते हैं जिसे भगवान् श्रीष्ण ने श्रीमद्भगवद गीता में स्थितप्रज्ञ की अवस्था कहा है।

"ध्यान" से साधें भावनाओं की बागडोर!

ऐसा प्रायः देखा जाता है कि जब कभी भी हम हतोत्साहित होते हैं तब हम स्वयं को ऊर्जाहीन अनुभव करते हैं तब हमें ये लगता है की काश कोई ऐसा हो जो हमको इस स्थिति से बाहर लेकर आये और पुनः पहले की तरह जोश से भर दे।

ऐसे में यदि कोई हमें प्रेरणा देता है तो ऐसा लगता है जैसे किसी ने हमारे अंदर नयी प्राण शक्ति फूंक दी हो और हम रातों रात खुद को रूपांतरित करने के बारे में सोचने लगते हैं। लेकिन जैसा कि अक्सर देखा भी गया है कि इसका असर एक–दो दिन तक ही रहता है और जीवन की गाड़ी पुनः उसी पटरी पर वापस आ जाती है।

ऐसा बार–बार और कभी–कभी तो जीवन भर होता ही रहता है, इसको कहते हैं बाह्य प्रेरणा जोकि बहुत कम समय के लिए ही कारगर सिद्ध हो पाती है। एक बात तो बिलकुल स्पष्ट है कि हम सभी मानव शरीरधारी हैं जिसके फलस्वरूप हमारे अंदर भावनाएं भी हैं तो स्वभावतः कभी हम खुश होंगे, ऊर्जा और जोश से लबरेज़ होंगे तो कभी हम दुःख और निराशा से भी घिरे होंगे। यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है इससे हमें ज्यादा फ़र्क़ पड़ना भी नहीं चाहिए। हाँ, दिक़्क़त तब बड़ी हो जाती है जब हम दोनों में से किसी भी भावना के गहरे समुद्र में उतर जाते है जैसे कि जहाँ पर खुशी जैसी कोई बात न हो वहां भी खुश दिखाई देना या फिर खुशी के अवसरों में भी उदास मालूम पड़ना।

यदि ये उदासी और निराशा लम्बे समय तक बनी रहे तो इसको ही अवसाद या फिर डिप्रेशन का नाम दे दिया जाता है इसीलिए कहा भी गया है "अति सर्वत्र वर्जयेत" अति किसी भी चीज़ की अच्छी नहीं होती। क्योंकि बाद में ये किसी दूसरी गम्भीर समस्या का कारण बन सकती है इसलिए हमें भावनाओं को चाहें वो अच्छी हों या बुरी तटस्थ होकर लेना चाहिए जैसा की महामना विदुर जी ने राजा धृतराष्ट्र से महाभारत के उद्योग पर्व में विदुर नीति के अंतर्गत कहा हैः

सुखं च दुःखं च भवाभावौ च
लाभालाभौ मरणं जीवितं च।
पर्यायशः सर्वमेते स्पृशन्ति तस्माद
धीरो न च हृष्येन्न शोचेत।।४.४७।।

इसका अर्थ है की सुख–दुख, उत्पत्ति– विनाश, लाभ–हानि और जीवन–मरण ये बारी–बारी से सबको प्राप्त होते रहते हैं इसलिए धीर पुरुष को इनके लिए हर्ष और शोक नहीं करना चाहिए।

भावनाओं का सीधा सम्बन्ध हमारे विचारों से है और जिसके विचार जितने संयमित और सकारात्मक होंगे वो उतना ही ज्यादा शांत होगा और विचारो को संयमित करने की विधि है "ध्यान", ध्यान से हम अपनी स्वांसों से जुड़ जाते हैं जिससे विचारों का प्रवाह थमने लगता है और हम तटस्थता की स्थिति प्राप्त कर लेते हैं जिसे भगवान् श्रीष्ण ने श्रीमद्भगवद गीता में स्थितप्रज्ञ की अवस्था कहा है।

इसलिए हमें ध्यान के माध्यम से स्थितप्रज्ञ होने का प्रयत्न करना चाहिए। यही वह अवस्था है जो हमें आतंरिक प्रेरणा देगी जिसका असर दीर्घकाल तक बना रहेगा।

साभार – www.achhikhabar.com

स्काउटिंग से विकास

मानव जीवन विकास में पांच अवस्थाओं का महत्वपूर्ण स्थान है बाल्यावस्था, किशोरावस्था, युवावस्था, प्रौढ़ावस्था और वृद्धावस्था। इन सबमें अधिक परिवर्तनशील एवं आधार बालक के लिए किशोरावस्था है इसी अवस्था में सीखा हुआ ज्ञान परिवार, समाज और देश की उन्नति के लिए दिशा सुझाता है। किशोरावस्था 12 वर्ष से 18 वर्ष तक रहती और इस उम्र में बालक विद्यालय शिक्षा प्राप्त करता है इस उम्र में अलग–अलग विषय एवं क्रिया–कलापों के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियों से बालक का अपने गुरू से सम्पर्क होता है जिसमें स्काउट/गाइड भी विद्यालय की एक गतिविधि है, जिसके माध्यम से बालक अनुशासित बनकर देश की सच्चे भाव से सेवा करता है। स्काउट/गाइड सदस्य के रूप में बालक का पंजीकरण 10 वर्ष बाद में शुरू हो जाता है जो बालक की मूल अवस्था है।

यह अवस्था वृक्ष की कच्ची टहनी क समान होती है जिसको जिधर मोड़ोगे उधर मुड़ जाएगी और उचित समय पर अच्छी सम्भाल नहीं करेंगे तो टहनी का विकास अवरूद्ध हो जाएगा। अतः स्काउट/गाइड आन्दोलन भी यही शिक्षा प्रदान करता है कि उचित समय पर बालक की विभिन्न स्थितियों में विशेष ध्यान रखना अत्यावश्यक है।

1. **परिवार** –

   बालक की बुद्धिलब्धि को देखते हुए अभिभावक को चाहिए कि वह बालक की विशेष रूप से सम्भाल करे। बालक जिस वस्तु की मांग करता है वह उसको कितनी आवश्यक है?उसकी परख करनी चाहिए। यदि बालक की प्रगति में उसका सही उपयोग हो रहा है, तो उसके लिए आवश्यक सामग्री प्राथमिकता खरीदकर लानी चाहिए जिससे बालक का मनोबल भी नया सीखने के लिए बढ़ेगा तथा मन में हीन भावना भी नहीं आएगी। इसी के साथ

   इस भागम–भाग के समय में बाल की आवश्यकतानुसार अभिभावक को चाहिए कि समय एवं लाड़–प्यार भी देना चाहिए अन्यथा बालक कुण्ठित एवं बेपरवाह हो जाएगा।

2. **आस–पड़ौस** –

   अभिभावक को देखना होगा कि अपने आस–पास का वातावरण कैसा है? उसी के अनुसार बालक की देख–भाल करनी चाहिए। यदि आस–पड़ौस अच्छा है तब तो चिन्ता की बात नहीं है लेकिन आस–पड़ौस का वातावरण दूषित है, तो उसकी दुर्गन्ध आपके बालक को भी दूषित कर सकती है। अतः बालक के क्रिया–कलापों पर पूरी नजर रखनी चाहिए तभी बालक सही दिशा में बढ़ सकेगा।

3. **मित्र–मण्डली** –

   किशेरावस्था में बालक धीरे–धीरे मित्र बनाना एवं बनना शुरू कर देता है। अधिक समय मित्रों के साथ बिताना भी चाहता है। ऐसे समय में अभिभावक को बालक के व्यवहार, आदतों और क्रिया–कलापों पर विशेष नजर रखें कि बालक में कोई गलत बदलाव तो नहीं आ रहा तथा जिन मित्रों के साथ रहता है कहीं उनकी आदतें खराब तो नहीं हैं? यह सब अभिभावक को समय–समय पर पता लगाते रहना चाहिए। अन्यथा बालक अपने हाथकं से गलत दिशा में जा सकता है।

4. **विद्यालय** –

   किशोरावस्था में बालक का मानसिक विकास भी तीव्र गति से होता है जिसके लिए समय–समय पर अभिभावक विद्यालय जाकर संस्था–प्रधान, कक्षाध्यापक एवं विषयाध्यापक से बालक की प्रगति सूचना का पता लगाये तथा विद्यालय से मिले दिशा–निर्देशों के अनुसार बालक का ध्यान रखने का पूरा प्रयास किया जाये। ताकि बालक अच्छा विद्यार्थी बन कर देश की सच्ची सेवा कर सके।

5. **शारीरिक विकास** –

   किशोरावस्था में बालक का शारीरिक विकास भी तीव्र गति से होता है जिसके लिए अभिभावक बालक के खान–पान की पूरी व्यवस्था करे। अभिभावक को चाहिए कि इस अवस्था में बालक को सन्तुलित भोजन दें ताकि शारीरिक विकास के साथ–साथ मानसिक विकास भी अच्छा हो सकेगा। इसलिए कहा गया है कि– "स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है।"

6. **पुरस्कार एवं दण्ड** –

   अभिभावक समय–समय पर उचित–अनुचित की परख कर पुरस्कार एवं दण्ड भी बालक को दें। पर ध्यान रहे कि इसके द्वारा बालक को किसी प्रकार की हानि नहीं हो। इसीलिए कहा गया है – "वीणा के तारों को इतना भी मत खींचो की टूट ही जाएं, और इतना ढ़ीला भी मत छोड़ो कि बजे ही नहीं।"

इस प्रकार किशोरावस्था में स्काउट/गाइड के माध्यम से विकास मजबूत होता है।

श्रीमती निर्मला देवी
गाइडर,
नीमकाथाना, सीकर

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में दक्षता बैज 'विश्व संरक्षण' बैज की जानकारी दी जा रही है।

विश्व संरक्षण
WORLD CONSERVATION

विश्व संरक्षण बैज हेतु निम्नांकित में से कोई तीन कार्य करने होंगे :-

1. किसी चिड़िया घर, वनस्पति उद्यान, प्राकृतिक ऐतिहासिक संग्रहालय का अवलोकन करें या वन्य जन्तुओं के बारे में कोई फिल्म देखें और परीक्षक को अपनी जानकारी से अवगत करायें।
2. किसी पालतू पशु का कम से कम तीन माह तक पालन कर उसकी सावधानीपूर्वक देखभाल करें।
3. एक घंटा कार्य कर किसी पब्लिक पार्क, बगीचे, विद्यालय परिसर या अन्य सार्वजनिक स्थान पर 'कूड़ा उठाओ' अभियान में सम्मिलित होकर कम से कम 3 घंटे कार्य करें परन्तु एक बार में एक ही घंटा कार्य करें।
4. सामूहिक रूप से किसी प्रकृति अध्ययन कार्य में भाग ले व अपने संग्रहों की एक संग्रहिता तैयार करें।
5. एक स्थान पर पक्षियों के लिए चुग्गा व पानी कुण्ड बनाना व कायम रखना।
6. पक्षियों के रहने के लिए घोंसला पेटी तैयार करना और बनाये रखना।
7. किसी उजाड़ भूमि पर झाड़ी या घास उगाना और 3 माह तक इसे बनाये रखना।
8. घर के पिछवाड़े या बगीचे में कम्पोस्ट खाद इक्ट्ठा कर तैयार करना।
9. भूक्षरण की हानियाँ बताकर उसको रोकने के उपाय प्रदर्शित करना।
10. घर के बाहर पर्यावरण सुधार हेतु पेड़ लगाना या हरियाली के लिए घास उगाकर उद्यान तैयार करना।

निम्नलिखित परियोजनाओं में से एक को पूरा करें -

- एक संग्रह पुस्तिका तैयार करें और चिड़ियाघर के पाँच पशुओं के बारे में उनके मौलिक देश, उनके खाने की आदतों और उनकी देखरेख व सावधानी के विषय में विस्तृत विवरण का उल्लेख करते हुए उस पुस्तिका को परीक्षक को बताए।
- अपने अन्य सदस्यों के लिए प्राकृतिक पथ अनुसरण के लिए खोज चिन्हों की व्यवस्था करना।
- किसी वन्य पशु, वृक्ष, मछली या चिड़िया के विषय में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करें और उसको रिपोर्ट के रूप में परीक्षक को बताए।

कैसे प्राप्त करें -

- बुलबुल की रूचि अनुसार विकल्प दिये गए है, इनमें से चयनित कार्य करने होते हैं।
- इस बैज को प्राप्त करने के लिए चयनित कार्य ऐसे हैं जिन्हें लम्बे समय अर्थात कम से कम तीन माह की अवधि तक कुछ परिणाम हासिल करने के लिए भी तीन माह की अवधि होगी।
- प्रकृति अवलोकन, भ्रमण व चिड़ियाघर विजिट।
- संग्रह करना (पंखों, पत्तों, फूलों, जड़ों, छालों, पत्थरों का)।
- टेलीविजन द्वारा डिस्कवरी चेनल से पशु–पक्षियों की आदतों व खान–पान की जानकारी।
- बागवानी व हरियाली से लगाव उत्पन्न करने के लिए विभिन्न कार्यों का दायित्व देकर।
- समाज में सामुदायिक कार्यों में सहयोग व समाज सेवा का आयोजन कर।
- खाद निर्माण, चुग्गा पात्र व परिण्डे इत्यादि तैयार करना।
- भूमि को तैयार (अधिक उपजाऊ बनाकर) कर खाद निर्माण, मृदा अपरदन को रोकने की विधियों को बताना व उसका उपयोग करना।

जम्बूरी के सफल आयोजन की विभिन्न तैयारियों पर की चर्चा

स्काउट गाइड के स्टेट कमिश्नर ने संबधित विभागों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

विभाग को जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाने के निर्देश

ये भी रहे मौजूद

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर) एवं पंचायत राज विभाग के शासन सचिव श्री नवीन जैन की अध्यक्षता में पाली में जम्बूरी हेतु आयोजित जलापूर्ति व्यवस्था समिति की बैठक का प्रकाशित समाचार। बैठक में संभागीय आयुक्त कैलाशचंद्र मीना, जिला कलक्टर नमित मेहता, पुलिस अधीक्षक गगनदीप सिंगला व राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन मौजूद रहे।

हमारे महापुरुष

भारत रत्न : पुरुषोत्तम दास टंडन

स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

पुरुषोत्तम दास टंडन ने भारत के विभाजन का डटकर विरोध किया। 1931 में लंदन में आयोजित 'गोलमेज सम्मेलन' से गाँधीजी के वापस लौटने से पहले जिन स्वतंत्रता सैनानियों को गिरफ्तार किया गया था, उनमें जवाहर लाल नेहरू के साथ पुरुषोत्तम दास टंडन भी थे। उन्होंने बिहार में कृषि को बढ़ावा देने के लिए काफी कार्य किए थे। वर्ष १९३३ में वे बिहार की 'प्रादेशिक किसान सभा' के अध्यक्ष चुने गए थे। बिहार किसान आंदोलन के साथ सहानुभूति रखते हुए उन्होंने विकास के अनेक कार्य सम्पन्न कराये।

पुरुषोत्तम दास टंडन 'आधुनिक भारत' के प्रमुख स्वाधीनता सैनानियों में से एक थे। वे 'राजर्षि' के नाम से भी विख्यात थे। उन्होंने अपना जीवन एक वकील के रूप में प्रारम्भ किया था। हिन्दी को आगे बढ़ाने और इसे राष्ट्रभाषा का स्थान दिलाने के लिए पुरुषोत्तम दास जी ने काफी प्रयास किये थे। वे हिन्दी को देश की आजादी के पहले आजादी प्राप्त करने का साधन मानते रहे और आजादी मिल जाने के बाद आजादी को बनाये रखने का। वर्ष 1950 में वे 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस' के अध्यक्ष नियुक्त हुए थे। पुरुषोत्तम दास टंडन को भारत के राजनीतिक और सामाजिक जीवन में नयी चेतना, नयी लहर, नयी क्रान्ति पैदा करने वाला कर्मयोगी कहा गया है। वर्ष 1961 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से भी सम्मानित किया गया था।

जन्म तथा शिक्षा

पुरुषोत्तम दास टंडन का जन्म 01 अगस्त, 1882 को उत्तर प्रदेश के प्राचीनतम और धार्मिक शहर इलाहाबाद में हुआ था। इनकी प्रारंभिक शिक्षा स्थानीय 'सिटी एंग्लो वर्नाक्यूलर विद्यालय' में हुई थी। इसके बाद उन्होंने एल.एल.बी. की डिग्री हासिल की और एम.ए. इतिहास विषय से किया। वर्ष 1906 में वकालत की प्रेक्टिस के लिए पुरुषोत्तम जी ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में काम करना शुरू किया।

विधायी जीवन

पुरुषोत्तम जी के व्यक्तित्व का एक अन्य महत्त्वपूर्ण पक्ष उनका विधायी जीवन था, जिसमें वह आजादी के पूर्व एक दशक से भी अधिक समय तक उत्तर प्रदेश की विधानसभा के अध्यक्ष रहे। वे संविधान सभा, लोक सभा और राज्य सभा के भी सदस्य रहे थे। वे समर्पित राजनयिक, हिन्दी के अनन्य सेवक, कर्मठ पत्रकार, तेजस्वी वक्ता और समाज सुधारक थे।

क्रांतिकारी जीवन की शुरुआत

पुरुषोत्तम दास टंडन ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ वर्ष 1899 से ही काम करना शुरु कर दिया था। क्रांतिकारी कार्यकलापों के कारण उन्हें इलाहाबाद विश्वविद्यालय के म्योर सेण्ट्रल कॉलेज से निष्कासित कर दिया गया था। बाद में 1903

में अपने पिता के निधन के बाद उन्होंने एक अन्य कॉलेज से अपनी पढ़ाई पूरी की। वर्ष 1919 में देश को झकझोर कर रख देने वाली घटना 'जलियाँवाला बाग हत्याकांड' का अध्ययन करने वाली कांग्रेस पार्टी की समिति के वह एक सदस्य बनाये गए थे। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के कहने पर पुरुषोत्तम जी ने वकालत को छोड़कर स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया। उन्होंने रॉलेट एक्ट विरोधी सत्याग्रह में सक्रियता से भाग लिया।

जेल यात्रा व आन्दोलन

वर्ष 1930 में महात्मा गाँधी द्वारा चलाये जा रहे 'सविनय अवज्ञा आन्दोलन' के सिलसिले में वे बस्ती में गिरफ्तार हुए और उन्हें कारावास का दण्ड मिला। बाद के समय में उन्होंने इलाहाबाद में 'षक आन्दोलन' का संचालन किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश में सविनय अवज्ञा आन्दोलन का संचालन किया। किसानों में लगान की नाअदायगी का आन्दोलन भी चलाया। वे संयुक्त प्रांत व्यवस्थापिका परिषद् के सदस्य बने तथा 1937 ई. में इसके अध्यक्ष भी नियुक्त हुए। पुरुषोत्तम दास टंडन ने भारत के विभाजन का डटकर विरोध किया। 1931 में लंदन में आयोजित 'गोलमेज सम्मेलन' से गाँधीजी के वापस लौटने से पहले जिन स्वतंत्रता सैनानियों को गिरफ्तार किया गया था, उनमें जवाहर लाल नेहरू के साथ पुरुषोत्तम दास टंडन भी थे। उन्होंने बिहार में कृषि को बढ़ावा देने के लिए काफी कार्य किए थे। वर्ष 1933 में वे बिहार की 'प्रादेशिक किसान सभा' के अध्यक्ष चुने गए थे। बिहार किसान आंदोलन के साथ सहानुभूति रखते हुए उन्होंने विकास के अनेक कार्य सम्पन्न कराये।

कांग्रेस से त्यागपत्र

वर्ष 1951 ई. में पुरुषोत्तम दास टंडन कांग्रेस के अध्यक्ष बनाये गये थे, किंतु इस पद पर वे अधिक समय तक नहीं रहे। क्योंकि बाद के समय में भाषायी राज्यों के सम्बन्ध में कांग्रेस से उनका मतभेद हो गया। मतभेद हो जाने के कारण उन्होंने कांग्रेस से त्याग पत्र दे दिया।

हिन्दी के पक्षधर

पुरुषोत्तम जी हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने के प्रबल समर्थक थे और इसको आगे बढ़ाने और राष्ट्रभाषा का स्थान देने के लिए काफी प्रयास कर रहे थे। राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन ने 10 अक्टूबर, 1910 को 'नागरी प्रचारिणी सभा', वाराणसी के प्रांगण में 'हिन्दी साहित्य सम्मेलन' की स्थापना की। इसी क्रम में 1918 में उन्होंने 'हिन्दी विद्यापीठ' और 1947 में 'हिन्दी रक्षक दल' की स्थापना की। वे हिन्दी को देश की आजादी के पहले 'आजादी प्राप्त करने का' और आजादी के बाद 'आजादी को बनाये रखने का' एक बड़ा साधन मानते थे। पुरुषोत्तमदास टंडन हिन्दी के प्रबल पक्षधर थे। वह हिन्दी में भारत की मिट्टी की सुगंध महसूस करते थे। 'हिन्दी साहित्य सम्मेलन' के इंदौर अधिवेशन में स्पष्ट घोषणा की गई थी कि– ''अब से राजकीय सभाओं, कांग्रेस की प्रांतीय सभाओं और अन्य सम्मेलनों में अंग्रेजी का एक शब्द भी सुनाई न पड़े।''

राजनीतिक सफलताएँ

भारत की आजादी के बाद 1951 में हुए देश के पहले चुनाव में पाँच प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए थे। इसके बाद 1952 में हुए उप–चुनाव में इलाहाबाद पश्चिम में कांग्रेस के पुरुषोत्तम दास टंडन निर्विरोध विजयी हुए। वर्ष 1962 में टिहरी गढ़वाल से वहाँ के राजा मानवेंद्रशाह ने जब चुनाव लड़ने का फैसला किया तो पुरुषोत्तम दास टंडन के मुकाबले कोई प्रत्याशी आगे नहीं आया। इस चुनाव में 'जनसंघ' के रंगीलाल ने परचा भरा था, लेकिन बाद में उन्होंने भी पर्चा वापस ले लिया।

कार्यकाल

आजादी के बाद पुरुषोत्तम दास टंडन ने उत्तर प्रदेश की विधानसभा के प्रवक्ता के रूप में तेरह साल तक काम किया। 31 जुलाई, 1937 से लेकर 10 अगस्त, 1950 तक के लंबे कार्यकाल के दौरान उन्होंने विधान सभा को कई बार संबोधित किया।

पुरस्कार

वर्ष 1961 में हिन्दी भाषा को देश में अग्रणी स्थान दिलाने में अहम भूमिका निभाने के लिए उन्हें देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार दिया गया। 23 अप्रैल, 1961 को उन्हें भारत सरकार द्वारा 'भारत रत्न' की उपाधि से विभूषित किया गया।

निधन

राष्ट्रभाषा हिन्दी के लिए समर्पित पुरुषोत्तम दास टंडन जी का निधन 1 जुलाई, 1962 को हुआ।

CELEBRATIONS DAYS : AUGUST-SEPTEMBER, 2022

12 August	:	International Youth Day
15 August	:	Independence Day
19 August	:	World Humanitarian Day
21 August	:	International Senior Citizen Day
29 August	:	National Games Day
05 September	:	National Teachers Day
06 September	:	National Defense Day
08 September	:	International Literacy Day
16 September	:	International Day for the Preservation of the Ozone Layer

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

गतिविधि पञ्चांग

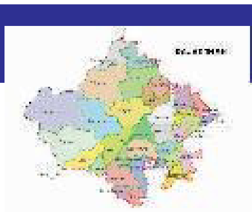

राज्य स्तरीय पञ्चांग

प्रस्तावित

गतिविधि का नाम	स्थान	दिनांक
राष्ट्रपति अवार्ड स्काउट गाइड ऑन–लाईन जांच शिविर	लॉन–लाईन	06.08.2022
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत न.1	21 से 25.8.2022 तक
कम्युनिटी डवलपमेंट सेमीनार	मण्डल स्तर पर	31.08.2022 तक
रोवर/रेंजर विकास समिति सभा	मण्डल स्तर पर	31.08.2022 तक
महाविद्यालय प्राचार्य, रो/रेंजर लीडर संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	31.08.2022 तक
हिमालय वुड बैज रीयूनियन	मण्डल स्तर पर	31.08.2022 तक
राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड रोवर रेंजर प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	31.08.2022 तक
टोलीनायक/द्वितीय सोपान/तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर	स्थानीय संघ स्तर पर	31.08.2022 तक
ऑर्गेनाइजर्स समीक्षा संगोष्ठी	रोहट–पाली	सितम्बर, 2022
राज्य परिषद बैठक	रोहट–पाली	सितम्बर, 2022
कब–बुलबुल एक रात्रि शिविर		

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
18th National Jamboree	04 - 10 January, 2023	Pali-Marwar (Rajasthan)

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
14th Asia Pacific Conference (WAGGGS)	10 - 14 August, 2022,	Thailand - Virtual
11th National Scout Jamboree 2022 of Gerakan Pramuka	12 - 21 August, 2022,	Jakarta, Indonesia
8th Friends of Asia Pacific WAGGGS Regional Gathering	07 - 09 November, 2022	Bangkok, Thailand
GYM AP Regional Youth Summit - SANGAM	07 - 11 November, 2022	Sangam, Pune
Juliette Low Seminar (JLS) 2022	02 - 11 December, 2022	Virtual
32nd Asia-Pacific Regional Scout Jamboree	11 - 19 December, 2022	Bangladesh
25th World Scout Jamboree	01 - 12 August, 2023	Saemangeum, Korea

National Headquarters website : www.bsgindia.org

18th NATIONAL SCOUT GUIDE JAMBOREE

The Bharat Scouts and Guides

Progress With Peace
18 National Jamboree 4-10 JANUARY 2023 ROHAT, PALI MARWAR, RAJASTHAN

Pali-Marwar (Rajasthan), 04 to 10 January, 2023

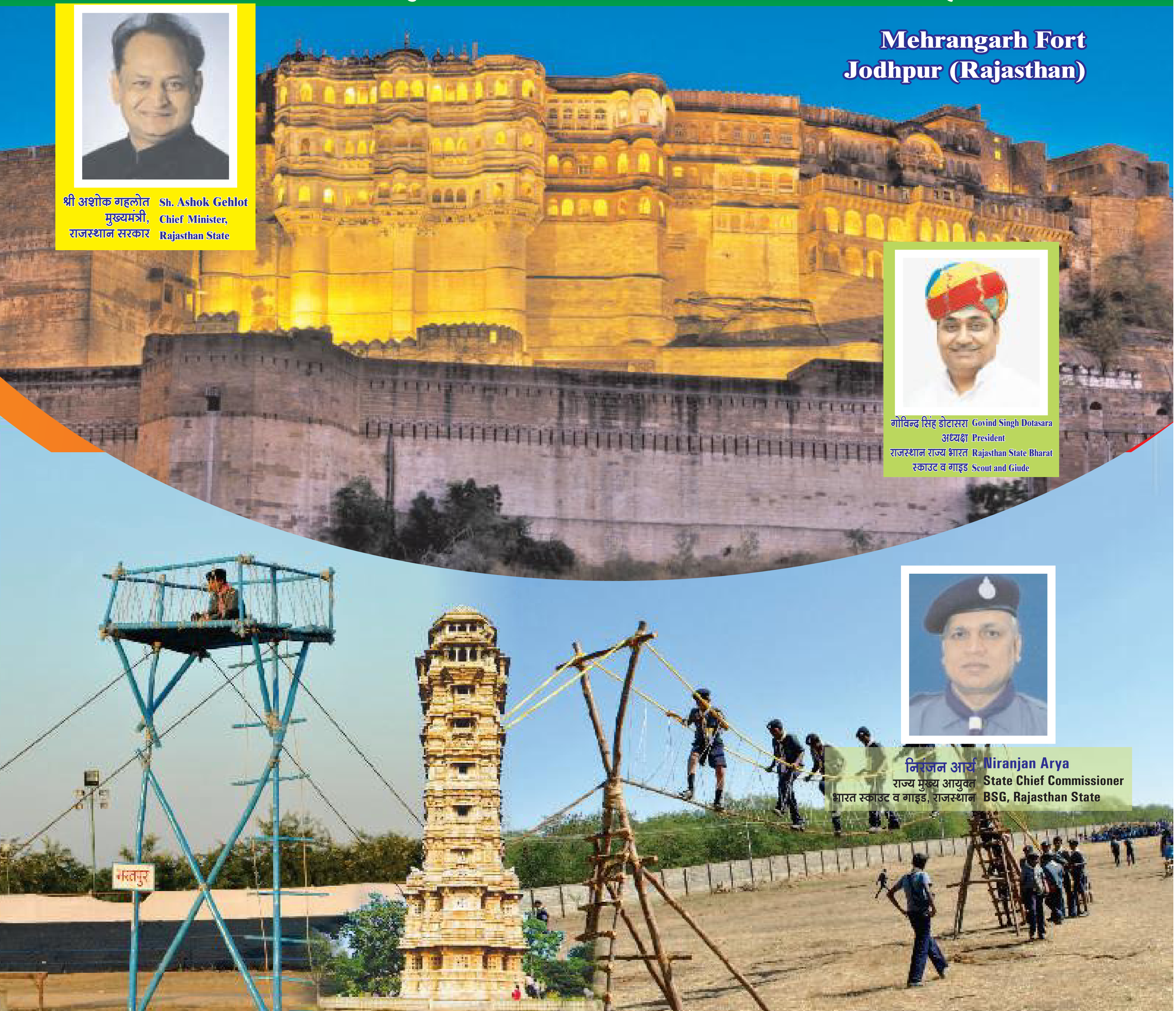

Mehrangarh Fort
Jodhpur (Rajasthan)

श्री अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री,
राजस्थान सरकार

Sh. Ashok Gehlot
Chief Minister,
Rajasthan State

गोविन्द सिंह डोटासरा
अध्यक्ष
राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड

Govind Singh Dotasara
President
Rajasthan State Bharat Scout and Giude

निरंजन आर्य
राज्य मुख्य आयुक्त
भारत स्काउट व गाइड, राजस्थान

Niranjan Arya
State Chief Commissioner
BSG, Rajasthan State

Rajasthan State Bharat Scouts & Guides,
State Headquarters, Jawahar Lal Nehru Marg,
Bajaj Nagar, Jaipur-302015

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड,
राज्य मुख्यालय, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
बजाज नगर, जयपुर–302015

Telephone - 0141-2706830, Email -rajscoutguide@yahoo.com, jamboreeoffice@bsgindia.org
Website - www.rajscoutguide.org

माननीय मुख्यमंत्री जी का स्कार्फ पहना कर अभिनन्दन करते हुए राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे-97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302004 फोन : 0141-2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति ₹ पन्द्रह
प्रकाशन - प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/1835
प्रेषक :-
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015
फोन : 0141-2706830, 2941098
ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com
Follow us on : facebook.com/scoutguidejyoti